मध्यप्रदेश विधेयक

क्रमांक ६ सन् २०२५

मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, २०२५

मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम, १९७३ को और संशोधित करने हेतु विधेयक.

भारत गणराज्य के छिहत्तरवें वर्ष में मध्यप्रदेश विधान–मण्डल द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :–

संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.

१. (१) इस अधिनियम का संक्षित नाम मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, २०२५ है.

(२) यह मध्यप्रदेश राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगा.

द्वितीय अनुसूची का संशोधन.

२. मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम, १९७३ (क्रमांक २२ सन् १९७३) (जो इसमें पश्चात् मूल अधिनियम के नाम से निर्दिष्ट है) की द्वितीय अनुसूची के भाग–एक के कॉलम (२) में, शब्द "विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन" के स्थान पर, शब्द "सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन" स्थापित किए जाएं.

विक्रम विश्वविद्यालय के प्रति निर्देशों का अर्थ लगाया जाना.

३. किसी ऐसी अधिनियमिति के अधीन, जो मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, २०२५ के प्रारंभ के अव्यवहित पूर्व प्रवृत्त थी, या अन्यथा जारी की गई समस्त अधिसूचनाओं, किए गए आदेशों, बनाए गए नियमों, उपविधियों, परिनियमों, अध्यादेशों, विनियमों, विहित प्रमाण–पत्रों, उपाधियों, उपाधिपत्रों या किन्हीं भी अन्य दस्तावेजों का इस प्रकार अर्थ लगाया जाएगा मानो उनमें विक्रम विश्वविद्यालय के प्रति किए गए निर्देश सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के प्रति किए गए निर्देश हों.

उद्देश्यों और कारणों का कथन

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के २९वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर, माननीय मुख्यमंत्री ने "विक्रम विश्वविद्यालय" का नाम परिवर्तित कर "सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय" करने की घोषणा की. विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन की कार्यपरिषद की बैठक दिनांक ४ अप्रैल, २०२५ में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा के बाद "विक्रम विश्वविद्यालय" का नाम परिवर्तित कर "सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय" किए जाने का विनिश्चय किया.

२. १ मार्च, १९५७ को स्थापित विक्रम विश्वविद्यालय प्राचीन विद्याभूमि उज्जैन स्थित एक प्रमुख राज्य विश्वविद्यालय है. इसका नाम प्राचीन भारत के महान शासक सम्राट विक्रमादित्य के नाम पर रखा गया है, जो उज्जैन से शासन करते थे. यह विश्वविद्यालय उज्जैन की समृद्ध सांस्कृतिक, शैक्षणिक और ऐतिहासिक विरासत का हिस्सा है.

३. सम्राट विक्रमादित्य प्राचीन भारत के एक प्रतापी शासक थे, जिन्हें उनकी वीरता, न्यायप्रियता और विद्वता के लिए जाना जाता है. पुरातत्व, इतिहास भारतीय साहित्य एवं लोककथा में वह एक कालजयी व्यक्तित्व के रूप में सुप्रतिष्ठित है. विक्रमादित्य का नाम विक्रम सम्वत्, भारतीय संवत्सर परम्परा से सम्बद्ध कलैंडर से जुड़ा हुआ है, जिसे उन्होंने प्रारम्भ किया था. यह कलैंडर पंचांग आज भी भारत में व्यापक रूप से उपयोग होता है. उनकी कहानियाँ, जैसे कि सिंहासन बत्तीसी और बेताल पच्चीसी, भी भारतीय साहित्य में बहुत लोकप्रिय है, जो उनके प्रज्ञान और नैतिकता को चित्रित करती हैं. विक्रमादित्य एक आदर्श शासक के प्रतीक हैं, जिन्होंने धर्म, कला और संस्कृति को बढ़ावा दिया. उनकी कहानियां आज भी प्रेरणा देती हैं.

४. इतिहास में प्रसिद्ध एवं युग परिवर्तनकारी सम्राट विक्रमादित्य के शौर्यपूर्ण कार्यों और देश भर में व्याप्त उनके बहुआयामी योगदान को दृष्टिगत रखते हुए "विक्रम विश्वविद्यालय" का नाम परिवर्तित कर "सम्राट् विक्रमादित्य विश्वविद्यालय" करने की कार्यवाही सम्राट विक्रमादित्य की ऐतिहासिक विरासत और हमारी संस्कृति को और अधिक सम्मान देने के लिए प्रक्रियाधीन है. इस प्रकार "विक्रम विश्वविद्यालय" से इस विश्वविद्यालय का नाम परिवर्तित कर "सम्राट् विक्रमादित्य विश्वविद्यालय" किया जाना सर्वथा न्यायोचित है.

५. अतएव, मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम, १९७३ (क्रमांक २२ सन् १९७३) में यथोचित संशोधन प्रस्तावित है.

६. अतः, यह विधेयक प्रस्तुत है.

भोपाल :
तारीख : २६ जुलाई, २०२५.

इंदर सिंह परमार
भारसाधक सदस्य.

उपाबंध

मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम, १९७३ (क्रमांक २२ सन् १९७३) से उद्धरण
द्वितीय अनुसूची भाग-१

अनुक्रमांक	विश्वविद्यालय का नाम	मुख्यालय	क्षेत्रीय अधिकारिता (राजस्व जिलों की सीमाओं के भीतर समाविष्ट क्षेत्र)
(१)	(२)	(३)	(४)
१.	विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन	उज्जैन	उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, शाजापुर, देवास, आगर-मालवा, नीमच
२.	रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर	जबलपुर	जबलपुर, मण्डला, कटनी, नरसिंहपुर, डिण्डौरी
३.	देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर	इंदौर	इंदौर, झाबुआ, धार
४.	जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर	ग्वालियर	ग्वालियर, भिण्ड, मुरैना, दतिया, श्योपुर
५.	अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा	रीवा	रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर
६.	बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल	भोपाल	भोपाल, सीहोर, रायसेन, विदिशा, नर्मदापुरम, राजगढ़, हरदा, बैतुल
७.	पंडित शम्भुनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल	शहडोल	शहडोल, उमरिया, अनुपपूर

ए. पी. सिंह,
प्रमुख सचिव
मध्यप्रदेश विधान सभा.